रोवर्स-रेंजर्स साहसिक शिविर – शीतलाखेत, उत्तराखण्ड

दिनांक : 20-21 मई 2026 | **दिवस** : प्रथम दिवस | **स्थान** : शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स दल के विद्यार्थियों ने शीतलाखेत, उत्तराखण्ड स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रस्तुत प्रतिवेदन शिविर के प्रथम दिवस की प्रमुख गतिविधियों का विवरण है।

यह सहभागिता **माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा** की प्रेरणा एवं संरक्षण, **नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह** के मार्गदर्शन तथा **रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह** के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुई।

20 मई 2026 की अर्धरात्रि को विश्वविद्यालय के रोवर्स दल ने अपने रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में लखनऊ से रेलमार्ग द्वारा अपनी यात्रा प्रारम्भ की। 21 मई 2026 की प्रातः टीम हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पहुँची, जहाँ से बस के माध्यम से शीतलाखेत के लिए प्रस्थान किया गया।

निर्धारित समय पर राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC), शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड पहुँचकर प्रतिभागियों ने शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। केन्द्र के अधिकारियों एवं स्काउट-गाइड्स द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया तथा शिविर के नियमों, दैनिक दिनचर्या एवं आगामी गतिविधियों से उन्हें विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

तत्पश्चात दोपहर पश्चात प्रतिभागियों ने सनसेट प्वाइंट की ओर ट्रेकिंग की। इस ट्रेक में स्काउट-गाइड्स एवं वरिष्ठ रोवर्स ने उनका कुशलतापूर्वक मार्गदर्शन किया तथा सभी सुरक्षित रूप से सनसेट प्वाइंट पहुँचे। यह स्थान वास्तव में अत्यन्त मनोहारी एवं प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण था।

हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखलाओं की पृष्ठभूमि में क्षितिज पर अस्त होते सूर्य का अद्भुत दृश्य सभी प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा। वहाँ कुछ समय प्रकृति के सान्निध्य में व्यतीत किया गया, जिससे प्रतिभागियों को मानसिक शांति एवं आत्मिक सन्तोष की अनुभूति हुई। इसी ट्रेक के दौरान विशेषज्ञ मार्गदर्शकों द्वारा प्रतिभागियों को चीड़ (Pine) के वृक्षों के विषय में अत्यन्त उपयोगी एवं रोचक जानकारी प्रदान की गई, जिससे उन्हें उत्तराखण्ड के पर्वतीय वनों की जैव-विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र को निकट से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

प्रथम दिवस का सम्पूर्ण अनुभव विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहा। लखनऊ से शीतलाखेत तक की यात्रा, STAC केन्द्र पर रिपोर्टिंग तथा सनसेट प्वाइंट तक की रोमांचक ट्रेकिंग ने प्रतिभागियों में साहस, अनुशासन एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। डॉ. मानवेन्द्र सिंह के प्रेरक नेतृत्व में सभी प्रतिभागियों को आगामी गतिविधियों में पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं उत्साह के साथ सहभागिता करने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

सादर प्रस्तुत,

रोवर्स दल

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

दैनिक प्रतिवेदन

रोवर्स रेंजर्स साहसिक शिविर – शीतलाखेत, उत्तराखंड

दिनांक : 22 मई 2026 | **दिवस** : द्वितीय दिवस | **स्थान** : शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स दल के विद्यार्थियों ने शीतलाखेत, उत्तराखण्ड स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 के द्वितीय दिवस की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रस्तुत प्रतिवेदन द्वितीय दिवस की प्रमुख गतिविधियों का विवरण है।

द्वितीय दिवस का शुभारम्भ प्रातः 6 बजे मैदान पर रिपोर्टिंग के साथ हुआ, जहाँ भारत स्काउट एवं गाइड के ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ध्वजारोहण गीत के सामूहिक गायन ने प्रतिभागियों में एकता, भ्रातृत्व, राष्ट्रसेवा तथा अनुशासन की भावना का संचार किया तथा दिन का प्रारम्भ ऊर्जा एवं देशभक्ति से परिपूर्ण वातावरण में हुआ।

ध्वजारोहण के पश्चात प्रतिभागियों ने केन्द्र में उपलब्ध विविध साहसिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें रशियन वॉल क्लाइम्बिंग, लॉग बैलेंसिंग, ज़िग-ज़ैग प्लैंक, मंकी क्रॉल, कमांडो ब्रिज, टाइट रोप पर संतुलन, हैंगिंग हॉरिजॉन्टल लैडर, टायर वॉल, टायर चिमनी, टाइट रोप वॉक, नेट क्रॉसिंग, स्लॉथ वॉक, ग्राउंड टायर जंप, टायर टनल एवं बैलेंसिंग बीम सम्मिलित थे। इन गतिविधियों ने प्रतिभागियों के शारीरिक संतुलन, मानसिक दृढ़ता एवं साहसिक क्षमता की परीक्षा ली तथा उन्हें अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

प्रातः 8 बजे नाश्ते के पश्चात साहसिक गतिविधियों का दूसरा चरण प्रारम्भ हुआ, जिसमें स्काई साइक्लिंग, बर्मा ब्रिज क्रॉसिंग, लूप हैंग क्रॉसिंग, क्रॉसवॉक ब्रिज तथा टाइट रोप वॉक जैसी रोमांचकारी गतिविधियाँ सम्मिलित थीं। इनमें स्काई साइक्लिंग प्रतिभागियों के लिए शिविर के अब तक के सबसे रोमांचकारी एवं अविस्मरणीय अनुभवों में से एक रही। ऊँचाई पर साइकिल चलाने का अनुभव सभी के लिए अत्यन्त रोमांचक एवं यादगार सिद्ध हुआ।

दोपहर 12 बजे भोजन ग्रहण करने के पश्चात ट्रेकिंग से पूर्व सभी प्रतिभागियों को भारत स्काउट एवं गाइड (BS&G) की ओर से ट्रेक टी-शर्ट एवं कैप वितरित किए गए। BS&G किट धारण करना सभी प्रतिभागियों के लिए गर्व एवं उत्साह का विषय रहा।

तत्पश्चात अपराह्न 3 बजे प्रतिभागियों ने BSG ट्रेक किट धारण कर निकटवर्ती सूर्यास्त दृश्य स्थल तक लगभग 6 किलोमीटर (आने-जाने सहित) की ट्रेकिंग की। यह स्थल प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण था, जहाँ प्रतिभागियों ने प्रकृति के सान्निध्य में आनंदमय क्षण व्यतीत किए। यह अनुभव सभी के लिए मानसिक शांति एवं नवीन ऊर्जा का स्रोत सिद्ध हुआ। सायं 5 बजे तक सभी प्रतिभागी सकुशल शिविर लौट आए, जहाँ चाय के साथ दिनभर की थकान कुछ कम हुई।

सायं 6 बजे शिविर का कैम्प फायर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ, जो इस दिवस का सर्वाधिक आनंददायक एवं स्मरणीय क्षण रहा। इस अवसर पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं अधिकारियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कैम्प फायर के दौरान प्रतिभागियों को यह महत्त्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई कि यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक महत्त्व भी है। यह प्रत्येक प्रतिभागी को मानसिक रूप से तनाव, थकान एवं नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होकर नवीन ऊर्जा एवं सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

कैम्प फायर के उपरान्त सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से रात्रिभोज ग्रहण किया। दिनभर की साहसिक गतिविधियों, ट्रेकिंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुखद अनुभवों के साथ सभी विश्राम के लिए प्रस्थान कर गए।

द्वितीय दिवस अनेक रोमांचकारी, शैक्षिक एवं प्रेरणादायक अनुभवों से परिपूर्ण रहा। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण, नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह के मार्गदर्शन तथा रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह के प्रेरक नेतृत्व में प्रतिभागियों ने उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रत्येक गतिविधि में सहभागिता की, जिससे विश्वविद्यालय का गौरव और अधिक बढ़ा।

सादर प्रस्तुत,
रोवर्स दल
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

दैनिक प्रतिवेदन

रोवर्स रेंजर्स साहसिक शिविर – शीतलाखेत, उत्तराखंड

दिनांक : 23 मई 2026 | **दिवस :** तृतीय दिवस | **स्थान :** शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स दल के विद्यार्थियों ने शीतलाखेत, उत्तराखण्ड स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम–2026 के तृतीय दिवस की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रस्तुत प्रतिवेदन तृतीय दिवस की प्रमुख गतिविधियों का विवरण है।

तृतीय दिवस का शुभारम्भ प्रातः 6 बजे मैदान पर रिपोर्टिंग के साथ हुआ। भारत स्काउट एवं गाइड के ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा ध्वजारोहण गीत का सामूहिक गायन किया। तत्पश्चात ज़ुम्बा डांस एवं वार्म-अप व्यायाम के माध्यम से दिन की ऊर्जावान शुरुआत हुई, जिससे प्रतिभागी शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णतः सक्रिय एवं ऊर्जावान हुए।

इसी क्रम में **STAC के प्रभारी माननीय त्रिवेन्द्र कुमार जी** ने समस्त प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने भारत स्काउट एवं गाइड (BS&G) द्वारा आयोजित रक्तदान अभियानों के महत्त्व एवं उनकी सामाजिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उनके प्रेरणादायी विचारों ने प्रतिभागियों में सामाजिक सेवा के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

तत्पश्चात माननीय त्रिवेन्द्र कुमार जी के निर्देशन में सभी प्रतिभागियों ने श्रमदान में सक्रिय सहभागिता की। श्रमदान रोवर्स प्रशिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण एवं अनिवार्य अंग है, जो अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामूहिक सहयोग की भावना को विकसित करता है। इस गतिविधि के अंतर्गत प्रतिभागियों ने परिसर की स्वच्छता में योगदान दिया तथा मानव-श्रृंखला बनाकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक मिट्टी स्थानांतरित कर गड्ढे को भरने का कार्य किया। इस सामूहिक प्रयास ने टीमवर्क, एकता एवं भ्रातृत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

प्रातः 8 बजे नाश्ते के पश्चात साहसिक गतिविधियों का नया चरण प्रारम्भ हुआ, जिसमें ज़िप लाइनिंग, फ्लाइंग टायर क्रॉसिंग, सिंगल लैडर क्रॉसिंग ब्रिज एवं नेट क्रॉसिंग जैसी गतिविधियों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें ज़िप लाइनिंग सभी प्रतिभागियों के लिए सर्वाधिक रोमांचकारी एवं अविस्मरणीय अनुभवों में से एक रही। ऊँचाई से तीव्र गति के साथ आगे बढ़ने का अनुभव साहस एवं रोमांच का अद्वितीय संगम सिद्ध हुआ।

दोपहर 12 बजे भोजन ग्रहण करने के पश्चात अपराह्न 3 बजे प्रतिभागियों ने वैली क्रॉसिंग, तीरंदाजी तथा रैपलिंग जैसी उच्च स्तरीय साहसिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सायं 5 बजे चाय के साथ इन गतिविधियों का समापन हुआ।

सायं 6 बजे कैम्प फायर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ, जो इस दिवस का सर्वाधिक गौरवपूर्ण एवं भावपूर्ण क्षण रहा। इस अवसर पर STAC द्वारा रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह को दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया, जो ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के समस्त प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त गर्व एवं प्रसन्नता का विषय रहा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने **नशा-मुक्ति** विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के दल द्वारा एक लोकगीत की प्रस्तुति दी गई, जिसे भी सभी ने अत्यन्त सराहा।

इसके उपरान्त मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मानवेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रेरणादायी एवं ओजस्वी संबोधन दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन के माध्यम से ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का प्रभावशाली एवं गरिमापूर्ण प्रतिनिधित्व किया, जिससे विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों में गर्व एवं आत्मविश्वास की भावना और अधिक प्रबल हुई।

कैम्प फायर के उपरान्त रात्रि 8 बजे सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से रात्रिभोज ग्रहण किया। दिनभर की साहसिक गतिविधियों, श्रमदान, नुक्कड़ नाटक तथा कैम्प फायर की अविस्मरणीय स्मृतियों के साथ सभी विश्राम के लिए प्रस्थान कर गए।

तृतीय दिवस प्रतिभागियों के लिए केवल साहसिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर सामाजिक चेतना, अनुशासन, टीमवर्क एवं राष्ट्रसेवा की भावना को आत्मसात करने का भी महत्त्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण, नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह के मार्गदर्शन तथा रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह के प्रेरक नेतृत्व में प्रतिभागियों ने प्रत्येक गतिविधि में उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ सहभागिता करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

सादर प्रस्तुत,

रोवर्स दल

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

दैनिक प्रतिवेदन

रोवर्स रेंजर्स साहसिक शिविर – शीतलाखेत, उत्तराखंड

दिनांक : 24 मई 2026 | **दिवस :** चतुर्थ दिवस | **स्थान :** शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स दल के विद्यार्थियों ने शीतलाखेत, उत्तराखण्ड स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम–2026 के चतुर्थ दिवस की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रस्तुत प्रतिवेदन चतुर्थ दिवस की प्रमुख गतिविधियों का विवरण है।

चतुर्थ दिवस का शुभारम्भ प्रातः 6 बजे मैदान पर रिपोर्टिंग एवं भारत स्काउट एवं गाइड के ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ध्वजारोहण गीत के सामूहिक गायन के साथ दिन का प्रारम्भ ऊर्जा, अनुशासन एवं उत्साह से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। तत्पश्चात प्रतिभागियों ने नाश्ता ग्रहण किया।

प्रातः 7 बजे नाश्ते के उपरान्त शिविर की सबसे महत्त्वाकांक्षी एवं स्मरणीय ट्रेकिंग का प्रारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने शीतलाखेत की सर्वोच्च चोटी स्थित श्याही देवी मंदिर तक लगभग 12 किलोमीटर (आने-जाने सहित) की चुनौतीपूर्ण ट्रेकिंग की। पर्वतीय पगडंडियों पर चलते हुए, घने वनों के मध्य से गुजरते हुए तथा प्रकृति के अनुपम सौन्दर्य का अवलोकन करते हुए यह ट्रेक सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त रोमांचकारी एवं आध्यात्मिक अनुभव सिद्ध हुआ।

श्याही देवी मंदिर पहुँचकर प्रतिभागियों ने माता के दर्शन किए, आशीर्वाद प्राप्त किया तथा कुछ समय विश्राम करते हुए वहाँ के शांत एवं दिव्य वातावरण का आनंद लिया। उस ऊँचाई से दिखाई देने वाली हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखलाओं का विहंगम दृश्य सभी के लिए अत्यन्त मनोहारी एवं अविस्मरणीय अनुभव रहा।

प्रातः 11 बजे सभी प्रतिभागी सकुशल STAC शिविर लौटे तथा दोपहर 12 बजे भोजन ग्रहण किया। भोजन के उपरान्त साहसिक गतिविधियों का क्रम पुनः प्रारम्भ हुआ। प्रतिभागियों ने वॉल क्लाइम्बिंग में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो सम्पूर्ण शिविर की सबसे चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में से एक सिद्ध हुई। खड़ी दीवार पर चढ़ने के इस रोमांचकारी अनुभव ने प्रतिभागियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता एवं आत्मविश्वास की प्रभावी परीक्षा ली।

तत्पश्चात प्रतिभागियों ने एयर पिस्टल द्वारा लक्ष्य भेदन (Shooting) गतिविधि में भी सहभागिता की, जिसने उनकी एकाग्रता, धैर्य एवं स्थिरता की परीक्षा ली। शूटिंग गतिविधि के साथ ही शिविर की समस्त साहसिक गतिविधियाँ औपचारिक रूप से सम्पन्न हो गईं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने एक ओर सभी गतिविधियों के सफल समापन की संतुष्टि का अनुभव किया, वहीं दूसरी ओर इन रोमांचकारी अनुभवों के

समाप्त होने का भाव भी स्वाभाविक रूप से अनुभव किया। सायं 5 बजे चाय के साथ दिन के इस चरण का समापन हुआ।

सायं 6 बजे शिविर का भव्य कैम्प फायर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इस विशेष अवसर पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के विद्यार्थियों ने **पर्यावरण संरक्षण**, **वनों की कटाई (Deforestation)**, **प्लास्टिक प्रतिबंध एवं पशु संरक्षण** जैसे समसामयिक एवं महत्त्वपूर्ण विषयों पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की मुख्य अतिथि सहित उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की, जो विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त गर्व एवं प्रसन्नता का विषय रहा। इस सराहना ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया।

कैम्प फायर के उपरान्त रात्रि 8 बजे सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से रात्रिभोज ग्रहण किया। 12 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण ट्रेकिंग, श्याही देवी मंदिर के दर्शन, वॉल क्लाइम्बिंग एवं शूटिंग जैसी साहसिक गतिविधियों तथा नुक्कड़ नाटक की सफल प्रस्तुति की अविस्मरणीय स्मृतियों के साथ सभी प्रतिभागी विश्राम के लिए प्रस्थान कर गए।

चतुर्थ दिवस साहस, आस्था, अनुशासन, सामाजिक चेतना एवं सामूहिक सहभागिता का उत्कृष्ट संगम सिद्ध हुआ। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण, नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह के मार्गदर्शन तथा रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह के प्रेरक नेतृत्व में प्रतिभागियों ने प्रत्येक गतिविधि में पूर्ण उत्साह, निष्ठा एवं समर्पण के साथ सहभागिता करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

सादर प्रस्तुत,
रोवर्स दल
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

स्याही देवी
SIYAHI DEVI
Swami Vivekananda stayed here in a tent from 25 May 1898 to 28 May 1898. He used to spend in the silence of the forest about ten hours every day during this period.

जय माँ स्याही देवी

दैनिक प्रतिवेदन

रोवर्स रेंजर्स साहसिक शिविर – शीतलाखेत, उत्तराखंड

दिनांक : 25–26 मई 2026 | **दिवस :** पंचम दिवस | **स्थान :** शीतलाखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स दल के विद्यार्थियों ने शीतलाखेत, उत्तराखण्ड स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम–2026 के पंचम एवं अंतिम दिवस की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रस्तुत प्रतिवेदन पंचम दिवस की प्रमुख गतिविधियों का विवरण है।

पाँच दिवसीय इस साहसिक प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिवस का शुभारम्भ प्रातः 7 बजे नाश्ते के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रातः 8 बजे प्रतिभागियों ने अंतिम बार भारत स्काउट एवं गाइड के ध्वजारोहण कार्यक्रम में सहभागिता की। ध्वजारोहण गीत का सामूहिक गायन इस अवसर पर विशेष रूप से भावपूर्ण एवं स्मरणीय रहा, क्योंकि यह शिविर का अंतिम ध्वजारोहण था।

ध्वजारोहण के पश्चात एक अत्यन्त भावपूर्ण क्षण आया, जब समस्त प्रतिभागियों ने भारत स्काउट एवं गाइड की परम्परागत सलामी एवं हस्तमिलाप के माध्यम से एक-दूसरे को विदाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर एकता, भ्रातृत्व एवं सद्भावना का वातावरण अत्यन्त प्रेरणादायक एवं भावविभोर करने वाला रहा।

तत्पश्चात समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिविर के प्रत्येक प्रतिभागी को भारत स्काउट एवं गाइड का प्रमाण-पत्र तथा स्मृति-चिह्न के रूप में एक कॉफी मग प्रदान किया गया। यह सम्मान प्रतिभागियों के लिए गर्व एवं प्रसन्नता का विषय रहा। इसके उपरान्त सामूहिक फोटोग्राफ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने एकत्र होकर समूह चित्र खिंचवाए। इन चित्रों में संजोई गई स्मृतियाँ एवं साथियों के साथ बिताए गए अविस्मरणीय क्षण सदैव प्रेरणा प्रदान करेंगे।

समापन समारोह के पश्चात प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को अंतिम विदाई दी तथा पुनः मिलने की शुभकामनाओं के साथ समारोह का समापन हुआ।

इसके उपरान्त ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रतिभागियों ने शीतलाखेत के स्थानीय बाज़ार का भ्रमण किया। वहाँ उन्होंने स्थानीय उत्पादों, पहाड़ी वस्तुओं एवं क्षेत्र की लोकप्रिय सामग्रियों का अवलोकन एवं क्रय किया। साथ ही स्थानीय निवासियों से संवाद कर क्षेत्र की संस्कृति, रहन-सहन एवं परम्पराओं को निकट से जानने-समझने का अवसर प्राप्त किया। यह अनुभव शिविर की साहसिक गतिविधियों से भिन्न होते हुए भी समान रूप से ज्ञानवर्धक एवं समृद्ध करने वाला सिद्ध हुआ। बाज़ार भ्रमण के उपरान्त सभी प्रतिभागी पुनः STAC केन्द्र लौट आए तथा दिन का शेष समय वहीं व्यतीत किया।

26 मई 2026 की प्रातः सभी प्रतिभागियों ने शीतलाखेत स्थित STAC केन्द्र से टैक्सी द्वारा काठगोदाम रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान किया। काठगोदाम से रेलमार्ग द्वारा लखनऊ के लिए यात्रा प्रारम्भ की गई तथा 26 मई 2026 की रात्रि लगभग 10 बजे सभी प्रतिभागी सकुशल लखनऊ जंक्शन पहुँचे। इसी के साथ पाँच दिवसीय साहसिक प्रशिक्षण शिविर एवं यात्रा का औपचारिक समापन हुआ।

यह सम्पूर्ण शिविर एवं यात्रा प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुई। साहसिक गतिविधियों, ट्रेकिंग, श्रमदान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा प्रकृति के सान्निध्य में व्यतीत इन पाँच दिनों ने प्रतिभागियों में अनुशासन, साहस, टीमवर्क, सामाजिक सेवा एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण, नोडल अधिकारी डॉ. उधम सिंह के मार्गदर्शन तथा रोवर्स इंचार्ज डॉ. मानवेन्द्र सिंह के प्रेरक नेतृत्व में प्राप्त यह अनुभव प्रतिभागियों के व्यक्तित्व निर्माण एवं भविष्य के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में सदैव मार्गदर्शक सिद्ध होगा। इस शिविर से अर्जित अनुभव, शिक्षाएँ एवं स्मृतियाँ विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों के जीवन में दीर्घकाल तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

सादर प्रस्तुत,

रोवर्स दल

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश

भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश